नईदुनिया

नईदुनिया मीडिया लि. का प्रकाशन

रायपुर
शुक्रवार 3 अगस्त 2012
कीमत ₹ 1.50
कुल पृष्ठ 18

अभियान

तापमान अधिकतम 27.6 से. न्यूनतम 24.0 से.

www.naidunia.com रायपुर, बिलासपुर, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और भोपाल (नवदुनिया) से एकसाथ प्रकाशित ■ वर्ष 6 । अंक 293 । नगर संस्करण । भाद्रपद कृष्ण 1 संवत् 2069 शके 1934

06 » ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं?

09 » सड़क निर्माण में रोड़े अटका रहे नक्सली

मुद्रा बाजार		अंतर
डॉलर	55.84	+0.37
पौंड	86.89	+0.19

शेयर बाजार		अंतर
सेंसेक्स	17224.36	-33.02
निफ्टी	5227.75	-12.75

इतिहास रचा

सेमीफाइनल में साइना

लंदन (एजेंसी)। भारत की साइना नेहवाल ने ओलिम्पिक खेलों की महिला बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुँचकर इतिहास रच दिया। साइना ओलिम्पिक बैडमिंटन सेमीफाइनल में पहुँचने वाली देश की पहली खिलाड़ी बनीं। साइना ने क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क की टिने बॉन को 21-15, 22-20 से हराया। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन की वांग यिहान से होगा।

पेस-सानिया अंतिम 8 में

भारतीय टेनिस स्टार लिएंडर पेस और सानिया मिर्जा की जोड़ी ने ओलिम्पिक में मिश्रित युगल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पेस-सानिया ने सर्बिया के निनाद जिमोनजिच और एना इवानोविच की जोड़ी को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से हराया। अब उनका मुकाबला शीर्ष क्रम के बेलारूस के मैक्स मिरनी-विक्टोरिया अजारेंका से होगा।

विजय पदक की होड़ में

भारत के विजय कुमार निशानेबाजी स्पर्धा में पदक की होड़ में बने हुए हैं। विजय कुमार 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में क्वालीफिकेशन के पहले चरण के बाद 293 अंकों के साथ पाँचवें स्थान पर बने हुए हैं।

आज शाम 5 बजे खत्म होगा अनशन, राजनीतिक विकल्प पर लोगों से माँगी राय

अण्णा अब करेंगे राजनीति

टीम अण्णा अब अनशन के बजाय राजनीति करेगी, यानी देश को राजनीतिक विकल्प देगी। अण्णा हजारे ने गुरुवार को जंतर-मंतर के मंच से इसका ऐलान करने के साथ ही जनता से राजनीतिक विकल्प के लिए सुझाव देने का अनुरोध किया और शुक्रवार शाम पाँच बजे अनशन समाप्त करने की घोषणा कर दी।

नई दिल्ली (ब्यूरो)। यह फैसला देश के विभिन्न क्षेत्रों की शीर्ष हस्तियों की ओर से की गई उस अपील के बाद किया गया है, जिसमें कहा गया था कि वे इस बहरी सरकार के सामने अपनी जान देने की बजाय बेहतर राजनीतिक विकल्प पेश करें।

अण्णा ने देश के लोगों को एक विकेंद्रित, लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष विकल्प देने का वादा करने के साथ ही साफ कर दिया है कि वे खुद चुनाव नहीं लड़ेंगे। बल्कि जनता के बीच से देशभक्त, साफ-सुथरे, सेवाभावी और भ्रष्टाचार मुक्त उम्मीदवारों को खोजना उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।

अनशन पर समय बर्बाद क्यों करें

"2014 के आम चुनाव में अभी दो साल बाकी हैं। हमें अगले डेढ़ साल में देश भर में लोगों के पास जाना है। अनशन पर समय क्यों बर्बाद करें। कल (शुक्रवार) शाम पाँच बजे सभी अनशन समाप्त हो जाएँगे। - **अण्णा हजारे**"

लोग फैसला करें

- अण्णा ने राजनीति में आने या पार्टी बनाने से इंकार करते हुए लोगों से अपील की कि वे यह बताएँ कि यह विकल्प किस प्रकार दिया जाए।
- हम एक राजनीतिक विकल्प चाहते हैं। लोग फैसला करें कि किसे टिकट देना है और कैसे वैकल्पिक तंत्र का लक्ष्य हासिल करना है।
- संसद में ईमानदार और साफ छवि के लोग जाएँ- यह सुनिश्चित करने के लिए लोगों को देखना होगा कि उम्मीदवार कैसे चुने जाएँ।

कैसा हो विकल्प

अण्णा ने कहा- मैं लोगों की इस बात से सहमत हूँ कि एक राजनीतिक विकल्प होना चाहिए। यह एक धर्मनिरपेक्ष विकल्प होना चाहिए। लेकिन जब आप एक विकल्प की बात करते हैं तो हम यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि केवल ईमानदार लोग ही चुने जाएँ।

अण्णा के सवाल, आप दें जवाब

अण्णा ने इन सवालों पर लोगों से दो-तीन दिनों में जवाब माँगें हैं:

- प्रत्याशियों के चयन का क्या आधार हो? ताकि देश से प्रेम करने वाले तथा समाज सेवा करने के इच्छुक लोग ही चुने जा सकें।
- गलत और भ्रष्ट लोगों के निर्वाचन पर अंकुश कैसे लगे?
- यदि निर्वाचित लोग भ्रष्ट हो जाएँ तो क्या हो?
- यह कैसे सुनिश्चित करें कि हमारा राजनीतिक विकल्प सत्ता नहीं, व्यवस्था परिवर्तन के लिए हो?
- यह कैसे सुनिश्चित किया जाए कि लोग पैसे लेकर वोट नहीं देंगे?
- चुनाव लड़ने के लिए पैसे कहाँ से आए तथा हमारे चुनाव फंडिंग में पारदर्शिता कैसे रहे?

(टीम अण्णा की राजनीति से भाजपा बेचैन: पेज-9)

विकल्प पर भी आशंका

अण्णा के सुर में सुर मिलाते हुए अरविंद केजरीवाल ने भी कहा- प्रत्याशी चयन एक मुद्दा है। हम इस बात से आशंकित हैं कि कही विकल्प भी मौजूदा जैसा ही न बन जाए। यह सरकार गूँगी और बहरी है। वह लोकपाल बिल पास नहीं कराना चाहती। सभी पार्टियाँ भ्रष्ट हैं। हमारा आंदोलन सत्ता के विकेंद्रीकरण के लिए है ताकि यह आम लोगों के हाथों में पहुँचे। आंदोलन सरकार नहीं, व्यवस्था बदलने के लिए है। नब्बे प्रतिशत लोग चाहते हैं कि हम एक राजनीतिक विकल्प दें।

खुशी है कि उनके इरादे सामने आ गए

टीम अण्णा द्वारा राजनीतिक विकल्प देने के संकेत पर सरकार ने कहा कि वह इस बात से खुश है कि उनके इरादे सामने आ गए हैं। आंदोलन के बारे में सरकार जो कहती थी, उसकी भी पुष्टि हुई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अंबिका सोनी ने कहा- हम हमेशा से कहते आ रहे हैं कि वे राजनीति से प्रेरित हैं। यह अच्छा है कि उनके जो भी इरादे हैं वे सामने आ गए हैं। उनके कई मुद्दे इसी तरह का संकेत कर रहे थे। मुझे खुशी है कि वे इस दिशा में आगे बढ़े हैं। अब उन्हें मालूम पड़ेगा कि राजनीति में आपको कितना काम करना पड़ता है तथा क्या कठिनाइयाँ और मजबूरी होती है।

असलियत देखें

कांग्रेस महासचिव दिग्विजय सिंह ने कहा कि टीम अण्णा के असली इरादे के बारे में हमारे विचार सही निकले हैं। मैं तो हमेशा से यही कहता हूँ। टीम अण्णा की राजनीतिक महत्वाकाँक्षाएँ हैं, जो सामने आ गई हैं। लोगों को अब 'आंदोलन' के पीछे की असलियत देखना चाहिए।

आंदोलन जो बदल जाएगा 'टोपी' में

'पॉलिसी पेरेलिसिस' के आरोपों से संघर्ष करती मनमोहन सिंह सरकार अब अगले डेढ़-दो सालों के लिए फिर से चैन की नींद सो सकती है। टीम अण्णा आज यानी 3 अगस्त 2012 शुक्रवार को शाम पाँच बजे अपना दस दिनों से चल रहा अनशन समाप्त कर जंतर-मंतर को हमेशा के लिए खाली कर देगी। टीम अण्णा को आंदोलन के सोलह महीनों के बाद इल्हाम हुआ है कि अनशन में ज्यादा समय नहीं बिताना चाहिए, लोगों को जगाने की जरूरत है। इसके लिए राजनीतिक पार्टी भी बनाई जा सकती है और 'योग्य' उम्मीदवारों को खड़ा भी किया जा सकता है। शायद 'सीन' से प्रणब मुखर्जी की अनुपस्थिति का असर था या अपनी ताकत को लेकर अहंकार का कि सरकार ने टीम अण्णा के अनशन को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रखा था। कोई चर्चा नहीं। कोई मध्यस्थता नहीं। कोई पुलिस ज्यादती नहीं। कोई गिरफ्तारी, जेल और अस्पताल नहीं। इससे भी अधिक यह कि विपक्षी दलों ने भी अण्णा के स्वास्थ्य की सरकार बराबर ही चिंता की। देश की आत्मा को जगाने का जो विकल्प अण्णा ने अब चुना है वह तो आंदोलन के पहले ही दिन से खुला हुआ था। राजनीतिक पार्टियाँ ही ज्यादा समझदार साबित हुईं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई किन तरीकों से लड़ी जाए इसको लेकर टीम अण्णा में पहले दिन से ही मतभेद थे। निश्चित ही वे मतभेद अब और बढ़ने वाले हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ जयप्रकाश नारायण की अगुवाई में चले वर्ष 1974 के बिहार आंदोलन के सैंतीस-अड़तीस सालों बाद देश में अण्णा ने पिछले साल अप्रैल में फिर से एक उम्मीद की लौ जलाई थी जो आकार भी लेने लगी थी। अब डर सता रहा है कि 'अण्णा का आंदोलन', 'अण्णा की पार्टी' में तब्दील होने वाला है। 'मैं भी अण्णा' का उद्घोष करने वाली अण्णा की टोपी अब एक चुनाव चिह्न, पोस्टर और झंडे में बदलने वाली है। कोई आश्चर्य नहीं कि भ्रष्टाचार के भरोसे सत्ता की राजनीति करने वाले तमाम राजनेता अण्णा की घोषणा का स्वागत करते हुए अब उन्हें चुनाव लड़ने की चुनौती दे रहे हैं। सत्य के जो प्रयोग महात्मा गाँधी, विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण ने नहीं किए वे सब अब टीम अण्णा करने वाली है। अरविंद केजरीवाल ने तो सवाल उठाना भी शुरू कर दिया है कि जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से ही लालू यादव जैसे नेताओं का जन्म हुआ था। 'अत: आप जब विकल्प खड़ा करने की बात करते हैं तो कैसे सुनिश्चित करेंगे कि सिर्फ ईमानदार लोग ही चुने जाएँगे।' -शेष पेज 7 पर

त्वरित टिप्पणी
श्रवण गर्ग

SHRI SHANKARACHARYA GROUP OF INSTITUTIONS
For BE Admission
SSGI (SSCET) EN - 111 Bhilai 98261-66940
SSEC EN - 137 Bhilai 99933-73306
SSITM EN - 136 Bhilai 98933-69869
SSIET EN - 143 Bhilai 98263-93473
SSIPMT EN - 135 Raipur 96170-20000

GARV EN - 124
Institute of Management & Technology
BE • Mechanical • Electrical • ET & T, CS • IT, Civil
POLYTECHNIC
Mechanical * Electrical
Purai, Bhiai, Durg (C.G.) 99778 33920
93035 08365, 97130 45100
City Office: 97/9, Nehru Nagar(E)
Near KPS, Bhilai Ph. 0788-2291633

RUNGTA GROUP OF COLLEGES
(Managed By Santosh Rungta Group)
BHILAI-RAIPUR
B.Ed.
GD RUNGTA COLLEGE of Science & Technology, Bhilai (Code: 14311)
RUNGTA INSTITUTE of Science & Technology, Bhilai (Code: 14333)
092291 55560

सरकारी जमीन देने के नियमों में ढील

ढाँचागत परियोजनाओं में आएगी तेजी

■ प्रधानमंत्री ने लिया फैसला, साल भर से लगा था प्रतिबंध

नई दिल्ली (प्रे)। प्रधानमंत्री ने बड़ा फैसला लेते हुए भू-हस्तांतरण नीति में कई छूटों को मंजूरी दे दी है। बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र से जुड़ी परियोजनाओं में इस वजह से हो रहे विलंब समाप्त किए जा सकेंगे। माना जा रहा है कि इससे निवेश की गति बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था की मंदी खत्म होगी।

प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया कि इसी माह से पीपीपी परियोजनाओं के लिए विभिन्न श्रेणियों की सरकारी भूमियों के हस्तांतरण पर रोक में छूट देने का फैसला किया गया है। पिछले साल सरकार की सभी भूमियों के हस्तांतरण पर रोक लगा दी गई थी। केवल सरकारी विभाग को ही सरकारी जमीन हस्तांतरित हो रही थी। आर्थिक मामलों के विभाग को सरकारी जमीनों के लिए भू-हस्तांतरण नीति बनानी है। विभागों को लीज, लाइसेंस या भाड़े पर जमीन देने के लिए पहले विशेष रूप से मंत्रिमंडल से अनुमति लेना होती थी। इस सारी प्रक्रिया में काफी विलंब होता था और बुनियादी सुविधा की परियोजना विशेष रूप से पीपीपी स्वरूप वाली बेहद प्रभावित होती थी।

सरकारी कंपनियाँ विकास कार्य के लिए ले सकेंगी जमीन

इस फैसले से सभी मंत्रालयों या विधायी अधिकारियों या सार्वजनिक उपक्रमों को विकास कार्य के लिए भूमि हस्तांतरण की अनुमति होगी। साथ ही रेलवे की जमीन को हस्तांतरित करने का अधिकार रेल भूमि विकास प्राधिकरण के पास होगा। रेलवे संशोधन कानून 2005 के प्रावधानों के अनुसार रेल मंत्रालय और सरकार की नीतियाँ और दिशा-निर्देश भी नए फैसले में शामिल होंगे। सड़क, रेलवे, बंदरगाह, नागरिक उड्डयन तथा मेट्रो से संबंधित पीपीपी बुनियादी सुविधा परियोजनाओं में कुछ हद तक भूमि हस्तांतरण होना है। क्योंकि कुछ सरकारी जमीन पर बने हुए हैं। जिन जमीनों को लीज या लाइसेंस के आधार पर दिया है, उनका स्वामित्व सरकार का ही होगा।

छाँटा बोधि वृक्ष की शाखाओं को

गया (प्रे)। बोध गया के महाबोधि मंदिर में स्थित बोधि वृक्ष की कुछ शाखाओं की छंटाई की गई क्योंकि यह शाखाएँ मंदिर के ऊपर गिर रही थी। इसी बोधि वृक्ष के नीचे बैठकर भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया था। छंटाई का यह कार्य देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट और बोध गया टेंपल मैनेजमेंट कमेटी (बीटीएमसी) के निर्देश पर किया गया। बीटीएमसी के सचिव एन दोरजी और दो सदस्य राधाकृष्ण मिश्रा और अरविंद सिंह भी इस मौके पर वहाँ मौजूद थे। इस वृक्ष की देखभाल की जिम्मेदारी एफआरआई की टीम करती है।

पुणे धमाकों में नई साइकिलें इस्तेमाल

■ साइकिल शोरूम का मालिक व एक कर्मचारी हिरासत में

नई दिल्ली (प्रे)। पुणे में बुधवार को हुए चार धमाके के मामले में जाँच करने वाले सुराग ढूँढने की कोशिश कर रहे हैं। अभी तक पता चला है कि धमाके में उपयोग में ली गई दो साइकिलें नई थीं। साइकिल शोरूम का मालिक व एक कर्मचारी हिरासत में लिया गया है।

एनआईए और एनएसजी के विशेषज्ञ महाराष्ट्र पुलिस के साथ मिलकर समस्त पहलुओं पर जाँच में लगे हैं। आतंकियों की बड़े धमाकों की साजिश थी। प्रारंभिक जाँच से साफ हो गया है कि विस्फोट के लिए

आतंकियों न सिर्फ आईईडी का इस्तेमाल किया था, बल्कि इसे घातक बनाने के लिए वॉल बेयरिंग की गोलियाँ भी लगाई थीं। संदेह की सुई फिलहाल इंडियन मुजाहिदीन की तरफ ही है। पता चला है कि धमाकों में कलाई घड़ी का भी प्रयोग किया गया था।

(बड़े धमाके की थी साजिश: पेज-9)

जख्मी को पुलिस मान रही निर्दोष

दूसरी ओर पुलिस विस्फोटों में घायल दयानंद पाटिल के साथ उसकी पत्नी सत्यकला से भी पूछताछ कर रही है। अब तक पुलिस पाटिल को निर्दोष ही मान रही है। दयानंद घटनास्थल के नजदीक ही टेलर का काम करता है। बुधवार की शाम वह अपना खाने का डिब्बा लेकर घर लौट रहा था। वह पास के उरली कांचन गाँव का है और हर दिन काम के लिए पुणे आता है। बालगंधर्व चौक के सामने रुककर वह वहाँ धरना दे रहे इंडिया अगेन्स्ट करप्शन के कार्यकर्ताओं को देखने लगा। कुछ देर बाद जब उसने पुन: अपना खाने का थैला उठाया तो उसे थैला पहले से भारी लगा। कारण जानने के लिए जैसे ही उसने थैले में हाथ डाला, विस्फोट हो गया।

महाकाल को राखी बाँधी

उज्जैन में गुरुवार तड़के रक्षाबंधन के अवसर पर भस्म आरती के बाद भगवान श्री महाकालेश्वर को राखी बाँधकर पर्व की शुरुआत की।

फोटो : नौमिश दुबे

एसबीआई ने जमा दरें घटाईं, पीएनबी ने बढ़ाई

मुंबई (प्रे)। एसबीआई ने पाँच साल तक की सावधि जमा पर बैंक ने ब्याज दर 0.25 प्रश कम कर 8.50 प्रश की है। यह फैसला 7 अगस्त से प्रभावी माना जाएगा। बीएसई को बैंक ने यह जानकारी दी। बैंक अभी तक 15 लाख से कम की सावधि जमा पर 8.75 प्रश ब्याज देती है, जबकि 15 लाख से एक करोड़ रु. तक की जमा पर 9 प्रश ब्याज देती है। पीएनबी ने हालाँकि एक साल तक की जमा पर तत्काल प्रभाव से ब्याज दर 0.25 प्रश बढ़ाकर 9 प्रश कर दी है। पीएनबी ने भी यह जानकारी बीएसई में फाइलिंग में दी। एसबीआई ने कहा है कि प्रॉपर्टी बाजार में उठाव न होने के कारण उसने अपने कर्ज बाँटने के लक्ष्य में 10 प्रश की कमी की है। बुधवार को घर पर कर्ज की दरों में 0.60 प्रश की कमी करने वाली एसबीआई ने पहले अपने आवास कर्ज के लक्ष्य को 25 फीसदी बढ़ाया था। लेकिन अब बैंक का मानना है कि कर्ज में इजाफा 15 से 20 प्रश ही हो सकेगा।

चुटकी

महँगाई त्योहारी सीजन में जेब ढीली, मशरूम 600 रुपए किलो, सरकार का कोई लगाम नहीं

मुनाफाखोरी से फल-सब्जियों की कीमतें बढ़ी

रायपुर (व्याप्र)। चिल्हर व्यवसायियों की मुनाफाखोरी ने फल और सब्जियों की कीमत में आग लगा दी है। थोक और चिल्हर बाजार की कीमत तय करने कोई मापदंड नहीं होने का व्यापारी बेजा फायदा उठा रहे हैं। थोक व्यवसायी भी मानते हैं कि चिल्हर व्यवसायी इन दिनों खूब मुनाफावसूली कर रहे हैं। बारिश और त्योहारी सीजन में महँगाई की मार से आमलोग बेहाल हो चुके हैं। ज्यादातर फल एवं सब्जियाँ अन्य प्रदेशों से आ रही है। इसका भी असर बाजार पर पड़ा है।

छत्तीसगढ़ में उत्पादित सब्जियों में भी जमकर मुनाफा वसूला जा रहा है। परिवहन खर्च की आड़ में सब्जियों की मनमानी कीमत वसूली जा रही है। परिवहन में 15 से 20 पैसे प्रति किलो खर्च आता है, जबकि चिल्हर व्यवसायी इसमें प्रतिकिलो 5 से 10 रुपए बढ़ाकर बेच रहे हैं। यही कारण है कि थोक और चिल्हर बाजार के भाव में बहुत अंतर है। इस गोरखधंधे पर न तो

खाद्य विभाग कोई लगाम लगा सका है और न ही सरकार की ओर से कोई दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कीमतों में बेतहाशा वृद्धि का अंदाजा मशरूम की कीमत से लगाया जा सकता है, जो कि फिलहाल 600 रुपए प्रति किलो के भाव पर बिक रहा है। -शेष पेज 7 पर

फलों की कीमत

मौसंबी-	50-60 (रु.प्रति किलो)
अनार-	140-150 (रु.प्रति किलो)
सेब-	120- 160 (रु.प्रति किलो)
अनानस-	30-50 (प्रति नग)
आम-	40-50 (रु.प्रति किलो)

"चिल्हर व्यवसायियों को परिवहन में प्रति किलो 15-25 पैसे खर्च बैठता है, परंतु चिल्हर व्यवसायी 5 से 10 रुपए प्रति किलो बढ़ाकर बेचते हैं। सरकार और संबंधित विभाग को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी करना चाहिए।

-दीनानाथ साहू, अध्यक्ष शास्त्री बाजार सब्जी व्यापारी संघ"

कीमत एक नजर में

सब्जी	थोक बाजार	चिल्हर बाजार
मुनगा	12-13	25-30
बरबट्टी	15-20	25-30
गोभी	10	20
करेला	12-15	25-30
सेमी	40	50
भिंडी	20-30	25-35
परवल	16	20-25
खेखसी	12-15	18-20
शिमला मिर्च	25-30	40-50
बैंगन	07-10	15-20
टमाटर	300 (कैरेट)	15-20
कोचई	08- 10	15-20

(भाव रुपए प्रति किलो)

100 रुपए के नोट ने ले ली चार जानें

कानपुर (प्रे)। कानपुर के पास एक गाँव में 100 रु. के नोट के लालच में चार लोगों की जानें चली गईं। मृतकों में दो पिता-पुत्र हैं।

सैप्टिक टैंक में गिरे नोट को निकालने नीचे उतरे

टैंक में मौजूद जहरीली गैस से सभी की मौत

पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह बिधनु पुलिस थाना के अंतर्गत मगरसा गाँव में 10 वर्षीय संदीप के हाथों से 100 रु. का नोट सैप्टिक टैंक में गिर गया। टैंक का ढक्कन टूटा हुआ था। उसके जरिए संदीप 10 फुट गहरे टैंक में गिरे नोट को लेने के लिए सीढ़ियों की मदद से पहुँचा। लेकिन वह टैंकके भीतर मौजूद जहरीली गैसों के कारण तत्काल ही बेहोश हो गया। संदीप को मुसीबत में देख उसके पिता मुकेश भी टैंक में उतरे लेकिन उनकी स्थिति भी उनके बेटे की तरह हो गई। मदद के लिए पड़ोसी नीरज और साधु भी पहुँचे लेकिन टैंक में उतरने के बाद भी वे भी बेहोश हो गए। इस घटना से पूरे गाँव में कोहराम मच गया। पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस घटनास्थल पहुँची और पीड़ितों को अस्पताल पहुँचाया, जहाँ सभी को मृत घोषित कर दिया गया।